एजुकेशन

फेसबुक के इंटरव्यू में अक्सर पूछे जाते हैं ये 3 सवाल

दुनिया की बेस्ट कंपनियों में से एक फेसबुक को हर दिन हजारों उम्मीदवारों की एप्लीकेशंस मिलती हैं। ऐसे में एप्लीकेशंस की छंटनी के लिए यहां रिक्रूटर्स स्ट्रक्चर्ड इंटरव्यू का इस्तेमाल करते हैं। रिक्रूटिंग डायरेक्टर लिज वमाई के अनुसार इस प्रक्रिया में कुछ सवाल सभी उम्मीदवारों के लिए कॉमन होते हैं जो इंटरव्यू में उनसे पूछ जाते हैं। फेसबुक में अक्सर ये तीन सवाल जरूर पूछे जाते हैं -

सवाल नंबर 1 – जॉब में अपने सबसे अच्छे दिन को आप किस तरह बिताते हैं। इसका अर्थ बताते हुए लिज कहती हैं कि इस सवाल के जरिए हम उम्मीदवारों से पूछ रहे होते हैं कि उनकी खूबियां क्या हैं और उन्हें क्या करना पसंद है।

सवाल नंबर 2 – ऐसा कब हुआ जब आपने अपना टाइम ट्रैक खो दिया। ऐसे में उम्मीदवार का जवाब यही दिखाता है कि क्या उनका काम उनके दिन को आसानी से शाम में बदल देता है। यानी उन्हें यह बताना होता है कि क्या वे अपने काम को इतना पसंद करते हैं कि उसे करते हुए उन्हें समय का पता ही नहीं चलता। असल में यह वह समय भी होता है जब आप उन चीजों के नजदीक होते हैं जो आपको प्रेरित करती हैं। उनकी प्रतिक्रिया यह भी बताती है कि कौनसी चीजें उन्हें व्यस्त कर देती हैं और इतना ज्यादा व्यस्त कर देती हैं कि उन्हें समय का पता ही नहीं चल पाता।

सवाल नंबर 3 – वे फेसबुक के मिशन और वैल्यूज में किस तरह योगदान देंगे। लिज कहती हैं, यह सवाल वाकई महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बताता है कि उम्मीदवार फेसबुक के मिशन के बारे में कितना अपडेटेड है। खुद फाउंडर मार्क जकरबर्ग भी उन लोगों की हायरिंग पर हमेशा जोर देते हैं जो कंपनी के विजन को बेहतर ढंग से शेयर करते हैं। लिज कहती हैं, इसका अर्थ मेरे लिए यह समझना है कि फेसबुक के अलग-अलग हिस्से किस तरह उसके मिशन को मजबूत बनाते हैं या फिर वैल्यूज में वे किस तरह अपना सहयोग दे सकते हैं।

ये है इंडिया का नंबर-1 कॉलेज, एडमिशन लेने से पहले देख लें लिस्ट

क्यू-वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2019 बुधवार को रिलीज हुई। दुनिया की टॉप-1000 यूनिवर्सिटी में इंडियन यूनिवर्सिटीज की संख्या बढ़कर 20 से 24 हो गई है।

इंडिया के कौन से इंस्टीट्यूट टॉप में

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुंबई (IIT-B), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (IISc), बेंगलुरू और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली (IIT-D) टॉप-200 यूनिवर्सिटी में की लिस्ट में शामिल हैं। 162वीं रैंक के साथ IIT-B अब देश का टॉप इंस्टीट्यूट है। वहीं IIT-D की रैंक 172 और IIT-D की रैंक 170 है।

कौन सी है दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटी

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इस बार भी दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटी में नंबर-1 पर बनी हुई है। इस रैंकिंग में 85 देशों की यूनिवर्सिटी की जांच-परख की गई थी। इंडिया में इस बार परफॉर्मेंस ठीक हुआ है। टॉप-1000 में इंडिया की 24 यूनिवर्सिटीज शामिल हुई। 7 की रैंक पिछले साल से इम्प्रूव हुई। 9 की रैंक वही बनी हुई है। 5 को पहली बार रैंक मिली। एचआरडी मिनिस्ट्री ने इंडियन यूनिवर्सिटी की ग्लोबल रैंकिंग बढ़ाने के लिए कुछ कदम भी उठाए हैं, जैसे आईआईटीस को ज्यादा फंड दिया जा रहा है। कई नई स्कीम्स शुरू की गई हैं। इसका असर भी रैंकिंग में दिख रहा है।

12वीं बाद करें इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स, ये हैं प्रमुख इंस्टीट्यूट्स

12वीं के बाद स्टूडेंट्स के सामने सबसे बड़ा चैलेंज होता है करियर से जुड़े कोर्स के सिलेक्शन का। चैलेंस ऐसे कोर्स के सिलेक्शन का होता है जो जॉब ओरिएंटेड हो। यानी उसको करने के के बाद आपको नौकरी मिल सके या आप उसके जरिए अपना कोई काम कर सकें।

इवेंट मैनेजमेंट में भी है स्कोप –

हर छोटे-बड़े इवेंट को सक्सेसफुल बनाने का काम इवेंट मैनेजर का होता है। आजकल तो शादी से लेकर बर्थ डे पार्टीज तक के लिए इवेंट मैनेजर्स की सहायता ली जा रही है। ऐसे में इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स जॉब सिक्युरिटी देता है। इस कोर्स को करने के बाद आप किसी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी में नौकरी कर सकते हैं। कोर्स करते ही 20 से 25 हजार रुपए की जॉब मिलने की संभावना बन जाती है। या आप अपना छोटा होम बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं।

क्या करता है इवेंट मैनेजर?

इवेंट मैनेजर्स संगीत शो, अवॉर्ड नाइट्स, डीलर मीट्स, कॉर्पोरेट क्लायंट्स के लिए टीम बिल्डिंग इवेंट्स, प्रेस कॉन्फ्रेंस, वेडिंग्स और इंगेजमेंट्स, बर्थडे पार्टीज, स्कूलों और कॉलेज के ऐनुअल इवेंट्स आदि को मैनेज करते हैं।

कितनी होती है कमाई?

इस फील्ड में आपके रोल और जिम्मेदारी, फर्म की लोकेशन, अनुभव और आप जिस ऑर्गनाइजेशन के लिए काम करते हैं, के बिजनेस के आधार पर आपको वेतन मिलेगा। एक्सपर्ट के मुताबिक अच्छे इंस्टीट्यूट से इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स करने वाले फ्रेशर को भी 20 से 25 रुपए महीने की सैलरी मिल जाती है। चार-पांच साल का अनुभव होने पर सैलरी 30 से 40 हजार महीने तक पहुंच सकती है। वैसे कई लोग अनुभव के बाद अपना सेपरेट बिजनेस करना पसंद करते हैं।

चीन की मोबाइल कंपनी जियोनी बेचेगी अपनी इंडियन यूनिट

कोलकाता (आरएनएस)। मुश्किलों में फंसी चाइनीज स्मार्टफोन कंपनी जियोनी की भारतीय इकाई को जियोनी इंडिया के माइनॉरिटी शेयरहोल्डर अरविंद आर वोहरा और भारत की फोन कंपनी कार्बन मोबाइल खरीदने वाले हैं। इंडस्ट्री के तीन सीनियर एग्जिक्युटिव्स ने बताया कि जियोनी अपने भारतीय कारोबार के लिए एक लॉन्ग टर्म ब्रांड लाइसेंसिंग अरेंजमेंट करने जा रही है।

कार्बन मोबाइल की होल्डिंग यूनिट जैना ग्रुप के एमडी और प्रमोटर प्रदीप जैन और वोहरा ने लेटर ऑफ इंटेंट और नॉन-डिसक्लोजर एग्रीमेंट पर जियोनी की पैरेंट कंपनी जियोनी कम्युनिकेशन इच्पिमेंट के साथ पिछले गुरुवार को हांगकांग में दस्तखत किए थे। यह डील अगले 2-3 हफ्तों में होने वाली है।

इंडियन पार्टनर्स के पास जियोनी ब्रांड का उपयोग 10 साल तक करने का अधिकार होगा। वे ब्रांड लाइसेंसिंग के अलावा जियोनी इंडिया में 74 पर्सेंट स्टेक खरीदने के बदले जियोनी को पेमेंट करेंगे। इसके अलावा वे रॉयल्टी भी चुकाएंगे।

जियोनी इंडिया में बाकी 26 पर्सेंट हिस्सा पहले ही वोहरा और उनके परिवार के पास है। डील कुल 200-250 करोड़ रुपये की हो सकती है। इसमें से 125 करोड़ रुपये ब्रांड लाइसेंसिंग के लिए चुकाए जाएंगे।

जियोनी इंडिया का चाइनीज मैनेजमेंट वापस अपने देश जा रहा है। वोहरा और जैन ने ट्रेड पार्टनर्स को पहले ही संकेत दे दिया था कि वे अक्टूबर में फेस्टिव सीजन से पहले जियोनी ब्रांड को रिवाइव करेंगे, जिसके तहत ज्यादा फीचर्स लेकिन कम दाम वाले स्मार्टफोन बाजार में उतारे जाएंगे ताकि शाओमी से मुकाबला किया जा सके। वोहरा पिछले साल जुलाई तक जियोनी इंडिया के सीईओ थे, जब चाइनीज फर्म ने तय किया कि वह भारतीय कारोबार को सीधे कंट्रोल करेगी और उसने इसका जिम्मा ग्लोबल सेल्स डायरेक्टर डेविड चांग को दिया था।

माइक्रोसॉफ्ट का सर्फेस कनेक्टर के लिए यूएसबी-सी डोंगल

सैन फ्रांसिस्को (आरएनएस)। दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट टाइप सी यूएसबी डोंगल लांच कर रही है, जो मौजूदा उपकरणों पर सर्फेस कनेक्टर चार्जिंग स्लॉट में पोर्ट करेगा, जिससे उपयोगकर्ता यूएसबी-सी से चार्ज या कनेक्ट कर सकेगा। द वर्ज ने सोमवार को बताया, व्यवसायिक उपभोक्ताओं के लिए 79.99 डॉलर कीमत वाले डोंगल आम तौर पर 29 जून से उपलब्ध होंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट का कहना है कि डिस्प्ले आउटपुट तथा डेटा प्रवाह की क्षमताएं यूएसबी-सी डॉकिंग सॉल्यूशन के समाधान पर निर्भर हैं और पॉवर डिस्प्ले तथा लैपटॉप के लिए एडेप्टर को बाहरी ऊर्जा स्रोत से कम से कम 27 वाट और 12 वोल्ट की आवश्यकता पड़ेगी।

वोडाफोन ने लॉन्च किया नया प्लॉन, 299 रुपये में दे रही है 20 जीबी डाटा और बहुत कुछ

नई दिल्ली (आरएनएस)। जियो को टक्कर देने के लिए वोडाफोन अपने ग्राहकों के लिए रेड पोस्टपेड प्लान सीरीज का नया 299 रुपये का बेसिक प्लान लेकर आया है। बता दें कि 299 रुपये के वोडाफोन रेड बेसिक पोस्टपेड प्लान कंपनी की इस सीरीज का अब तक का सबसे सस्ता प्लान है। इस प्लॉन के ग्राहकों को 20 जीबी 3जी/ 4जी डेटा मिलता है। अनलिमिटेड वॉयस कॉल के अलावा भी कई सुविधाएं दी जाएंगी। डेटा के फायदे के अलावा वोडाफोन अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग, रोमिंग में मुफ्त इनकमिंग या आउटगोइंग कॉल और मुफ्त 100 एसएमएस भेजने की सुविधा देगी।

बच्चों के लिए कंटेंट लाकर कमाई बढ़ाएगी जियो

मुंबई (आरएनएस)। रिलायंस जियो इंफोकॉम बच्चों और छात्रों के लिए ऑनलाइन ट्यूटोरियल और वोकेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम की रेंज पेश करने की योजना बना रही है। इससे कंपनी को लंबी अवधि के लिए रेवेन्यू का एक सोर्स बनाने में मदद मिल सकती है।

इस डिवेलपमेंट की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि जियो की कंटेंट टीम एजुटेनमेंट प्रोग्राम की एक रेंज पेश करने के तरीकों पर काम कर रही है। इस एरिया में अभी तक बहुत कम काम हुआ है यह म्यूजिक, मूवीज और स्पोर्ट्स जैसे सामान्य कंटेंट से काफी अलग है। जियो के एक एग्जिक्यूटिव ने नाम जाहिर न करने की शर्त पर बताया, कंपनी बच्चों और छात्रों के लिए कंटेंट पेश करने और एजुकेशन के साथ एंटरटेनमेंट उपलब्ध कराने पर विचार कर रही है।

अभी जियो बच्चों के लिए जियो टीवी के तहत मुख्यतौर पर मूवीज, कार्टून और नर्सरी राइम कई भाषाओं में पेश करती है। एनालिस्ट्स का कहना है कि एजुटेनमेंट की ओर जाना जियो के लिए महत्वपूर्ण होगा। 18.6 करोड़ से अधिक कस्टमर्स रखने वाली जियो को इससे बच्चों के साथ ही उनके अभिभावकों से भी दिलचस्पी मिलेगी।

सूत्रों ने बताया कि जियो ने एजुकेशन से जुड़ा कंटेंट तैयार करने और वोकेशनल ट्रेनिंग की संभावना पर काम करने के लिए एक प्रोजेक्ट टीम बनाई है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

-पल्लव वन्स का संस्थापक सिंह विष्णु था. इसकी राजधानी कांची थी वह वैष्णो धर्म का अनुयायी था

- किरातायूनियन के लेखक भारवीं सिंह विष्णु के दरबार में रहते थे.

- पर लव वन्स का अंतिम शासक अपराजित वर्मन हुआ.

- मत विलास प्रहसन की रचना महेंद्र वर्मन ने की थी.

- महेंद्र वर्मन शुरू में जैन मतावलंबी था परन्तु बाद में तमिल संत अप्पर के प्रभाव में आकर सेव बन गया था.

- महाबलीपुरम के एकाश्म मंदिर जिन्हें रथ कहा गया है का निर्माण पल्लव राजा नरसिंह वर्मन प्रथम के द्वारा करवाया गया था. रथ मंदिरों की संख्या सात है रथ मंदिरों में सबसे छोटा द्रौपती रथ है जिसमें किसी प्रकार का अलंकरण नहीं मिलता है.

- वातपीकोंड की उपाधि नरसिंह वर्मन प्रथम ने धारण की थी.

- अरबों के आक्रमण के समय पर लोगों का शासक नरसिंह वर्मन दो था उसने राजा सिंह आगम प्रिय और शंकर भक्त की उपाधियां धारण की. उसने कांची के कैलाश नाथ मंदिर का निर्माण करवाया जिससे राज्य सिद्धेश्वर मंदिर भी कहा जाता है इसी मंदिर के निर्माण से द्रविड़ स्थापत्य कला की शुरुआत हुई.

- कांची के कैलाश नाथ मंदिर में पल्लव राजाओं और रानियों की आदम कद तस्वीरें लगी हैं.

- दस कुमार रचित के लेखक दंडी नरसिंह वर्मन के दरबार में रहते थे.

- कांची के मुक्तेश्वर मंदिर तथा बैकुंठ पेरुमाल मंदिर का निर्माण नन्दी वर्मन द्वितीय ने कराया.

- प्रसिद्ध वैष्णव संत तिरु मंडई अलवार नन्दी वर्मन द्वितीय के समकालीन थे.

- राष्ट्रकूट राजवंश का संस्थापक दंती दुर्ग था शुरुआत में वे कर्नाटक के चालूक्य राजाओं के अधीन थे.

- इनकी राजधानी मनकीर या मान्य खेत थे.

- एलोरा के प्रसिद्ध कैलाश मंदिर का निर्माण कृष्ण प्रथम ने करवाया था.

- ध्रुव राष्ट्रकूट वंश का पहला शासक था जिसने कन्नौज पर अधिकार करने हेतु तीन पक्षीय संघर्ष में भाग लिया और प्रतिहार नरेश वस्त राज एवं पाल नरेश धर्मपाल को पराजित किया.

- ध्रुव को धारा वर्ष भी कहा जाता था.

- गोविन्द तृतीय ने तीन पक्षीय संघर्ष में भाग लेकर चकरा युद्ध एवं उसके संरक्षक धर्मपाल तथा प्रतिहार वंश के शासक नाग भट्टों को पराजित किया.

- परला पांड्या केरल एवं गंग शासकों के संघ को गोविंद तीन ने नष्ट किया.

अमोघ वर्ष जैन धर्म का अनुयायी था इसने कन्नड़ में कविराज मार्ग की रचना की.

- आदि पुराण के रचनाकार जीन सेन गणितासार संग्रह के लेखक महावीरा चार्य एवं अमोघ वृत्ति के लेखक सकतायाना अमोघ वर्ष के दरबार में रहते थे.

- अमोघ वर्ष ने तुंगभद्रा नदी में जल समाधि लेकर अपने जीवन का अंत किया.

- इंद्रा तीन के शासन काल में अरब निवासी अलम सुधीर भारत आया उसने तत्कालीन राष्ट्रकूट शासकों को भारत का सर्वश्रेष्ठ शासक कहा.

- राष्ट्रकूट वंश का अंतिम महान शासक कृष्णा तीन था इसी के दरबार में कन्नड़ भाषा के कवि पोन्न रहते थे जो जिन्होंने शांति पुरान की रचना की.

हेल्थ

क्या आप भी सुबह बिना नहाए करते हैं ब्रेकफास्ट? छोड़ें ये आदत वरना होगी पेट की गंभीर बीमारी

आपने बड़े-बुजुर्गों को अक्सर ये कहते हुए सुना होगा कि नहाने के बाद ही कुछ खाएं. बदलती लाइफ स्टाइल के साथ तो सुबह उठते ही पहले पेट पूजा का चलन बन गया है, उसके बाद नहाने का. ये तरीका गलत है. इसके पीछे को कोई मिथक नहीं, बल्कि साइंटिफिक कारण है. आइए आपको बताते हैं ब्रेकफास्ट नहाने के बाद ही क्यों करना चाहिए.

आइए आपको बताते हैं कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए खाने से पहले नहाना आखिर क्यों अच्छा विकल्प है.

*खाना खाने के बाद हमारा पेट सक्रिय हो जाता है ताकि हमारा खाया हुआ खाना सही से पच सके. लेकिन खाने के तुरंत बाद नहाने से इसका असर हमारे पेट में पर पड़ता है. दरअसल, नहाने के बाद हमारे शरीर का तापमान कम हो जाता है जो कि पाचन क्रिया को प्रभावित करता है. यही नहीं रक्त प्रवाह को भी बाधित करता है.

*आयुर्वेद में इस बात को महत्व दिया गया है कि आप नाश्ता या डिनर से पहले नहाएं. इससे न सिर्फ आपका पाचन तंत्र सही रहता है बल्कि इससे आपका पेट भी साफ रहता है यानी फ्रेश होते समय सहज रहते हैं. किसी तरह की परेशानी महसूस नहीं होती.

*आयुर्वेद की मानें तो खाना खाने के पहले नहाने से सफाई होना स्वास्थ्य के लिए बेहतर है. हाथ-मुंह धोने से जर्म्स रह सकते हैं, लेकिन नहाने के बाद इनका का खतरा लगभग खत्म हो जाता है.

*नहाना और खाना दोनों अलग-अलग प्रक्रिया है. नहाने से हमारा शरीर ठंडा होता है जबकि खाने से हमारे शरीर की गर्माहट बढ़ती है. आप खाने के बाद नहाते हैं तो शरीर गर्माहट से ठंड की ओर रुख करता है. इससे आपके शारीरिक तापमान सामान्य नहीं रह पाता.

*अगर खाना खा भी लिया तो इस बात का ख्याल रखें कि खाने के बाद कम से कम 30 मिनट तक इंतजार करने के बाद ही नहाने जाएं.

ये 10 इशारे बताते हैं कि आप डायबिटिक है या नहीं

डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसका पता लोगों को अक्सर तब चलता है जब शरीर के कुछ भाग जैसे आंख, किडनी और दिल को इस बीमारी से नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है। इसलिए इस बीमारी का समय पर पता चलना बेहद जरूरी है। इससे पहले कि किसी व्यक्ति को डायबिटीज की शिकायत हो वो अपने शरीर के इन 10 लक्षणों को देखकर इससे बच सकता है।

बार बार पेशाब आना जब शरीर में ब्लड शुगर का लेवल बढ़ जाता है तो व्यक्ति को बार-बार पेशाब आने लगता है।शरीर में इकट्ठा हुआ शुगर पेशाब के जरिए शरीर से बाहर आने लगता है। बहुत ज्यादा प्यास लगना ब्लड शुगर से पीड़ित व्यक्ति को बार-बार प्यास लगती रहती है। भूख बढ़ जाना शरीर में शुगर लेवल बढ़ने की वजह से भी व्यक्ति को बार-बार भूख लगती रहती है। अगर आपको भी लग रहा है कि आपकी डाइट भी पहले के मुकाबले बढ़ गई है तो आप अपना शुगर लेवल एक बार टेस्ट करवा लें। वजन घटना भूख में बढ़ोतरी होने के बावजूद अगर आपका वजन नहीं बढ़ रहा है तो भी अपना शुगर टेस्ट करवा लें। थकावट होना अगर आप सारा दिन आलसी बने रहते है और थोड़ा-सा काम करने पर थकावट महसूस करने लगते हैं या फिर पूरी रात सोने के बाद भी आपको महसूस होता है कि नींद नहीं पूरी हुई तो अपना शुगर टेस्ट जरूर करवा कर देख लें। किसी काम में मन न लगना और एकाग्रता की कमी होना शुगर से पीड़ित व्यक्ति का मन किसी काम में नहीं लगता है। वो किसी भी काम को एकाग्रता के साथ नहीं कर पाता है। धुंधला दिखाई देना डायबिटीज का सबसे ज्यादा असर आंखों पर पड़ता है।जिसकी वजह से व्यक्ति को दिखना कम हो जाता है। शुगर के कारण आंखों के पर्दो को नुकसान पहुंचता है। शुगर के कारण खत्म हुई नजर दोबारा ठीक नहीं होती। घावों का देरी से ठीक होना सब्जी काटते हुए हाथ पर कट लगने और शेविंग करते समय कट लगने पर घाव जल्दी ठीक नहीं होता या फिर बहुत देर में ठीक होता है अगर तो यह भी शुगर के लक्षण हो सकते हैं।

स्किन प्रॉबल्म

शुगर लेवल बढ़ने पर स्किन से जुड़ी समस्याएं सामने आने लगती है। चेहरे पर मुहांसे और ब्लैकहेड्स बहुत तेजी से बढ़ने लगते हैं।